IIMA PRESS RELEASE 2013-14

IIMA - Duke Corporate Education Announcement

IIMA, February 24, 2014: For the past seven years, Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIMA) and Duke Corporate Education (Duke CE) have worked together under an institutional partnership forged on our shared desire to develop leaders for the future.

Since the beginning of our partnership in November 2006, we have had some good successes and we have learned a lot. We have also recognized that the business context within which we operate has gone through a number of significant shifts requiring every educational institution to revisit their own strategy and reexamine the role of partnerships in making a difference in the world.

The business education market today seeks rapid aggregation of a varied set of capabilities to address emergent opportunities and challenges. Given this marketplace reality, IIMA and Duke CE have agreed to reframe the nature of our partnership from one that is institutionally bound to one that will be market led. In so doing, we will bring our institutional arrangement to a close effective March 31, 2014. Going forward, we will seek to identify opportunities to bring our complementary capabilities together to deliver differentiated value on a project-by-project basis.

This agreement was reached after careful consideration, a number of conversations, and goodwill from both sides. While we close our institutional arrangement, we do hope to open a new chapter that allows us both to continue to learn together. We will keep you posted of developments as we work to move to this new model.

आईआईएमए प्रेस विज्ञप्ति 2013-14

आईआईएमए – ड्यूक कॉर्पोरेट शिक्षा सूचना

आईआईएमए, 24 फरवरी, 2014 : पिछले सात वर्षों से, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद (आईआईएमए) और ड्यूक कॉर्पोरेट शिक्षा (ड्यूक सीई) ने संस्थागत साझेदारी के तहत भविष्य के नेतृत्व विकास के लिए एकसाथ मिलकर काम किया है।

नवम्बर 2006 में प्रारंभ हुई, हमारी भागीदारी के समय से हमने कुछ अच्छी सफलताएँ प्राप्त की हैं और बहुत कुछ सीखा है। हमने यह भी जाना कि जिसके अंतर्गत हम संचालन करते हैं वह व्यवसाय संदर्भ कई महत्त्वपूर्ण पारियों से होकर गुजरा है जिसमें प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान को अपनी स्वयं की रणनीति पर पुनः विचार करना आवश्यक रहा और विश्व में कुछ अलग करने में भागीदारी की भूमिका का पुनःपरीक्षण जरूरी बन गया।

वर्तमान व्यवसाय शिक्षा बाजार आज आकस्मिक अवसरों और चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न प्रकार की क्षमताओं की शीघ्र पूर्णता चाहता है। बाजार की इस वास्तविकता को देखते हुए, आईआईएमए और ड्यूक सीई संस्थागत रूप से जिस बाजार नेतृत्व से जुड़े हैं उस भागीदारी को पुनःरचित करने पर सहमत हुए हैं। यह सहमति करते हुए, 31 मार्च 2014 से अमल में आने वाली इस संस्थागत व्यवस्था को हम सांनिध्य प्रदान करेंगे। आगे बढ़ते हुए, परियोजना-दर-परियोजना के आधार पर विभेदित मूल्य प्रदान करने वाली हमारी पूरक क्षमताओं को एकसाथ लाकर अवसरों की तलाश करेंगे।

यह समझौता दोनों पक्षों की सतर्क विचारणा, बातचीत के दौरों, और दोनों की सद्भावना के बाद हुआ है। जब हम हमारी संस्थागत व्यवस्था को बंद करते हैं तब एक नये अध्याय के प्रारंभ होने की आशा जताते हैं कि इसके बाद हमारा साथ मिलकर सीखना जारी रहेगा। जैसे जैस हम इस नये मॉडल पर काम करते रहेंगे, वैसे वैसे आपको घटनाक्रम के बारे में बताते रहेंगे।